



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 587]

नई विली, शुक्रवार, नवम्बर 3, 1989/कार्तिक 12, 1911

No. 587] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पाठ संखा वी जाती है जिससे इन यह अलग संखाएँ के रूप में
रखा जा सके

Each Part is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(ग्राम्य विभाग)

शिक्षा

नई दिल्ली 3 नवम्बर 1989

ग ०६/८९ नेव्ही-४ उत्पाद-शु-५ (एटी)

सांवादि १९६१(ग्र) -- वन्दी सराया वन्दीय उत्पाद-शु-५ और
नमां अधिनियम १९११ (१९११ टी १) का प्राप्त ३७ शारीर प्रदत्त
शिक्षियों का प्रयोग वर्त्त हुए कन्दीय उत्पाद-शु-५ नियम १९११ का शोर
शिक्षन भवते के लिए निम्ननिवित नियम बनाती है प्रयत्न --

१ (१) इन नियमों ना नाम कन्दीय उत्पाद-शु-५ (ग्राम्य विभाग)
नियम १९८९ ई।

(२) ये ग्राम्य ग्रंथालय रोपणीय प्राप्त होंगे।
२ कन्दीय उत्पाद-शु-५ नियम १९११ के नियम ७८ में

(१) उपनियम (२) के खण्ड (२) और खण्ड (३) के राजन पर
निम्ननिवित वर्त्त रखे जाएं ग्रयति --

"(क) उग्रके परिक्षण मरम्मत, परिष्करण, पुनर्नुकूलन के
प्रयोजनों के लिए या अभिम उत्पादों के विनियोग के
लिए कोई प्रथ्य आवश्यक संकेतार्थ करने के लिए ऐसे
कारबाहने के बाहर विर्मी स्थान को हठा सकेगा और
गतिम उत्पाद के विनियोग म आगे प्रयोग के लिए
ग्राम कान्दारों वी लौटा सकेगा या उसे नियति के
लिए वधपत्राधीन शुक्र का सदाय किए बिना हठा
सकेगा, परन्तु यह तब जब वि ऐसी मत्रिया के दौरान
उपग्रह शोष दाना अपशिष्ट भी यदि कोई हो, उक्त
कारबाहने सो लौटा दिया जाए,

(घ) अभिम उत्पाद के विनियोग व लिए आवश्यक मध्यवर्ती
उत्पादों के विनियोग के प्रयोजनों के लिए ऐसे कारबाहने
के बाहर विर्मी स्थान वी हठा सकेगा और अभिम उत्पाद
के विनियोग मे आगे प्रयोग के लिए अपने कारबाहने
वा उक्त मध्यवर्ती उत्पादों वी लौटा सकेगा या उसे
नियति व लिए वधपत्राधीन शुक्र का सदाय किए बिना
हठा सकेगा परन्तु यह तब जब वि ऐसे मध्यवर्ती उत्पादों
के विनियोग के दौरान उपग्रह होने वाला अपशिष्ट भी,
यदि कोई या उक्त कारबाहने सो लौटा दिया जाए । ,

(2) उपनियम (3) के परामुक्त के स्थान पर निम्नलिखित पर परामुक्त रखा जाएगा, अर्थात्—

"परामुक्त वंशधारार्थीन नियति के लिए निकासी किए गए अनिप उत्ताद में प्रयोग या उपनियम (2) के अनुसार नियानि के लिए निकासी किए गए मण्डसर्वी उत्पादों में प्रयुक्त निवेशों के संवंथ में विनिर्दिष्ट शुल्क का मुजाहा, शुल्क का संदाय करके और जहां, किसी कारण से, ऐसा समायोजन संभव नहीं है वहां, विनिर्माण को ऐसे रखोपायों, जौतों और निर्बंधनों के अधीन रहते हुए, जो केन्द्रीय रायकार राजपत्र में विनिर्दिष्ट करे, प्रतिसंदाय करके देशी उपभोग के लिए निकासी किए गए ही स्थिति उत्पादों पर उत्पाद-शुल्क के सभा। मद्दे उत्पादों किए जाने की समृद्धि जाएगी।"

[का नं 264/10/89-सीएस्ट 8]
के मी भिन्न उत्पादन

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 1989

No. 56/89-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 964(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excises Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (11th Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
2. In rule 57F of the Central Excise Rules, 1944,—

(I) in sub rule (2), for clauses (a) and (b), the following clauses shall be substituted, namely :—

"(a) for the purposes of test, repairs, refining, reconditioning or carrying out any other operation necessary for the manufacture of the final products and return the same to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of such operation is also returned to the said factory;

(b) for the purpose of manufacture of intermediate products necessary for the manufacture of the final products and return the said intermediate products to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of manufacture of such intermediate products is also returned to the said factory";

(II) in sub-rule (3), for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

"Provided that the credit of specified duty in respect of inputs used in the final products cleared for export under bond or used in the intermediate products cleared for export in accordance with sub-rule (2), shall be allowed to be utilised towards payment of duty of excise on similar final products cleared for home consumption on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, condition and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette."

[F. No. 264/10/89-CX.8]
K.C. SINGH, Dy. Secy.